

## पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक को बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज की ओर से समर्पित प्रमुख बिन्दु

रेलवे के आधारभूत संरचना को बेहतर बनाने की दिशा में भारतीय रेल द्वारा 1.58 लाख करोड़ पूंजी खर्च करने की योजना काफी प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। बजट में पूर्व मध्य रेलवे के आधारभूत संरचना को बेहतर बनाने हेतु बजट में संतोषप्रद राशि का आवंटन किया गया है उसका भी चैम्बर स्वागत करता है। वैसे सभी मानव रहित रेल फाटक को सीमांकित करना स्वागत योग्य कदम है।

महोदय आज के इस अवसर मेरे द्वारा समर्पित कुछ सुझावों पर आपकी अनुशंसा की आवश्यकता है।

### गुड्स शेड के संबंध में

रेलवे के दानापुर मंडल के अन्तर्गत वर्तमान गुड्स शेड आरा, बिहारशरीफ, बक्सर, दानापुर, फतुहा, जमुई, किउल, वारसलीगंज, शेखपुरा एवं तिलैया की वर्तमान क्षमता का विस्तार किया जाए साथ ही इन गुड्स शेड पर मूलभूत सुविधाओं यथा – पानी, बिजली, सड़क, सफाई, सुरक्षा, एवं शेड की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाए।

### नया गुड्स शेड के संबंध में

राज्य की राजधानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है पुनपुन गुड्स शेड निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए तथा इसे शेखपुरा एवं बिहारशरीफ से जोड़ा जाए। फतुहाँ— दानापुर (नेऊरा) साइडिंग over Loaded है। इसलिए पटना के नजदीक एक नयी Multiple Rake Siding with Associated Facilities बनायी जानी चाहिए।

### नयी रेलवे लाइन तथा नये रेलवे स्टेशन

- (i) शेखपुरा—नेऊरा भाया दनियावाँ रेलवे लाईन का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कराया जाए जिससे कि इस लाईन पर गाड़ियों का परिचालन प्रारम्भ हो सके।
- (ii) दोहरीकरण एवं गेज कनवर्सन का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाना चाहिए।
- (iii) मुगलसराय से झांझा रेल लाईन आजादी से पहले का रूट है। आजादी के बाद इस क्षेत्र का काफी तेजी से विकास होने के कारण मालगाड़ी एवं यात्री गाड़ियों की आवश्यकता काफी बढ़ी है परन्तु दो ही ट्रैक होने के कारण और यात्री गाड़ी नहीं चालाया जा सकता है और मालगाड़ी का परिचालन बंद है। इसलिए चैम्बर की मांग है मुगलसराय से झांझा के बीच एक तीसरी एवं चौथी रेल लाइन का निर्माण किया जाए जिससे कि यात्री गाड़ी एवं मालगाड़ी का परिचालन हो सके।

- (iv) किउल नदी के उपर पुराने पुल के समानान्तर जो नया पुल निर्माणाधीन है उसे शीघ्रातिशीघ्र पुरा किया जाये। इसके अतिरिक्त पुराने पुल को रोड बनाकर लखीसराय एवं किउल को आवागमन हेतु लिंक कर दिया जाये।

### माल यातायात से संबंधित सुझाव

- (a) रेलवे माल को देरी से हटाने पर पेनाल्टी लगाता है। सामान्य परिस्थिति में तो माल हटाने में देरी करने पर पेनाल्टी लगाना उचित है परन्तु जब सारी परिस्थितियाँ ही व्यापारी के विपरीत है तथा “ Force Majeure Clause “ के अन्तर्गत हो फिर भी रेलवे पेनाल्टी लगाता है तथा व्यापारियों द्वारा पेनाल्टी को माफ करने के आवेदन को निर्धारित समय में निष्पादन नहीं किया जाता है अतः इसे Merit के आधार पर यथाशीघ्र किया जाना चाहिए इसलिए इस संबंध में उचित मार्गदर्शक दस्तावेज जारी करने की आवश्यकता है जिससे जमीनी हकीकत के आधार पर सही निर्णय लिया जा सके।
- (b) रेलवे का रैक पहुँचने पर मात्र 9 घंटा का समय खाली कराने को दिया जाता है जबकि बराबर रैक रात में ही पहुँचता है और उस समय मजदूर एवं ट्रकें उपलब्ध नहीं होने के कारण लगभग सभी व्यवसायियों को जुर्माना भरना पड़ता है अतः रैक खाली कराने के लिए कम से कम 15 घंटा का समय दिया जाना चाहिए ।
- (c) बिहारशरीफ में रेलवे साइडिंग मध्य शहर में स्थित है जहाँ आठ बजे सुबह से नौ बजे रात्री तक नो-इण्ट्री लगा दी जाती है जिससे व्यापारियों को माल हटाने के लिए बहुत कम समय मिलता है इसलिए इन स्थानों में वैकल्पिक रेलवे साइडिंग की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि माल यातायात एवं उनका वितरण सुगमता से हो सके।

### रेलवे को सामानों की आपूर्ति से संबंधित सेवायें

- (a) भारत सरकार ने सभी प्रकार के खरीद में MSME Units से खरीद हेतु प्रतिशत निर्धारित किया है अतः उसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ।

स्थानीय खरीद हेतु स्थानीय अनुशांगी उद्योगों को विकसित किया जाये ।

- (b) आज पूर्व मध्य रेलवे में अधिकांश खरीद ई-टेंडर के माध्यम से की जाती है । ई-टेंडर में प्रावधान रहता है कि सामान रेलवे Consignee को पहुँचने पर कुल कितना खर्च रेलवे को देना होगा (मुल्य + टैक्स + Actual freight) उसकी तुलना हो । कई टेंडर में कोई क्लॉउज के तहत भाड़ा/टैक्स को अलग कर दिया जाता है जिससे रेलवे को नुकसान होता है एवं बिहार के उद्यमियों को भी नुकसान होता है । इसकी विसंगतियों को देखने की आवश्यकता है ।
- (d) रेलवे के supply में LD काटा जाता है उसमें Force Majeure होने की स्थिति में भी ध्यान नहीं दिया जाता है और LD काट लिया जाता है परन्तु उसका Certificate नहीं दिया जाता है । अतः Certificate देना सुनिश्चित कराया जाना चाहिए ।

### यात्री सुविधाएँ

महोदय, आमजनों की भांति राज्य के उद्यमी एवं व्यवसायी भी रेलवे के सक्रिय उपभोक्ता हैं अतः यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने हेतु हमारा निम्नलिखित सुझाव है –

- (i) पटना—बैंगलुरु, पटना—चेन्नई तथा पटना—हैदराबाद एवं पटना—डिब्रूगढ़ सुपर फास्ट ट्रेन चलाया जाना चाहिए ।
- (ii) पटना से कानपुर/लखनउ के बीच शताब्दी ट्रेन चलायी जानी चाहिए ।
- (iii) पटना से नई दिल्ली के बीच एक अतिरिक्त राजधानी एक्सप्रेस चलायी जानी चाहिए ।
- (iv) पटना से हावड़ा दुरन्तो प्रतिदिन चलाया जाना चाहिए । पटना से हावड़ा एक शताब्दी ट्रेन चलाया जाए साथ ही पटना से हावड़ा चलनेवाली जनशताब्दी को रविवार के दिन भी चलायी जानी चाहिए । साथ ही इसमें ए.सी. चेयरकार की संख्या बढ़ाया जाना चाहिए ।
- (v) दूसरे प्रान्तों से पटना आनेवाली तथा पटना से जानेवाली सभी लम्बी दूरी की गाड़ियों में पैन्ट्रीकार एवं जीवन रक्षक दवाओं की सुविधा होनी चाहिए ।
- (vi) राजेन्द्र नगर रेलवे स्टेशन जाने के लिए राजेन्द्रनगर की ओर से प्रवेश एवं निकास हेतु अधिकारियों के आशवासन के बावजूद भी अभी तक रास्ता नहीं बनाया गया है। यदि ये रास्ता बन जाए तो पटना जंक्शन स्टेशन पर यात्रियों का बोझ काफी घटेगा।
- (vi) पाटलिपुत्रा रेलवे स्टेशन का समुचित विकास किया जाना चाहिए । इसके एप्रोच रोड एवं पार्किंग की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाना चाहिए ।
- (viii) गाड़ी संख्या 15054 लखनउ—छपरा एक्सप्रेस का विस्तार पाटलिपुत्रा/दानापुर तक किया जाए क्योंकि सुबह 11.10 में छपरा आने के बाद दिन भर खड़ी रहती है पुनः यह गाड़ी रात्रि में 7.35 बजे लखनउ के लिए प्रस्थान करती है । यदि इसका विस्तार पाटलिपुत्रा/दानापुर तक कर दिया जाए तो पटना आने एवं पटना से छपरा जानेवाले लोगों को तो सुविधा होगी ही साथ ही रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि होगी और दो राज्यों की राजधानी का सीधा सम्पर्क होगा ।
- (ix) गाड़ी संख्या 12149 पुणे—दानापुर एक्सप्रेस का विस्तार छपरा तक किया जाए क्योंकि सुबह 03.45 में दानापुर आने के बाद दिनभर दानापुर में खड़ी रहती है । यही गाड़ी रात्रि 10.55 में पुनः पुणे के लिए प्रस्थान करती है । यदि इसका विस्तार छपरा तक कर दिया जाए तो छपरा के लिए एक अतिरिक्त गाड़ी हो जाएगी और रेलवे के राजस्व में भी वृद्धि होगी ।
- (x) गाड़ी संख्या 13287 साउथ बिहार एक्सप्रेस एक लम्बी दूरी की गाड़ी है अत इसमें पैन्ट्री कार की व्यवस्था कराया जाना चाहिए ।
- (xi) आरा अब जंक्शन बन चुका है तथा राजस्व के उगाही में भी पटना के बाद इसका दूसरा नम्बर आता है अतः पटना से खुलनेवाली सभी एक्सप्रेस गाड़ियों का ठहराव आरा स्टेशन पर दिया जाना चाहिए ।
- (xii) गरीब रथ में साइड के तीसरा बर्थ को हटाया जाना चाहिए क्योंकि यात्रियों को असुविधा होती है ।

- (xiii) पटना जंक्शन पर महावीर मंदिर के पास पार्किंग व्यवस्था को और व्यवस्थित करने की आवश्यकता है ।
- (xiv) पाटलिपुत्रा जंक्शन पर एसकलेटर लगाया जाना चाहिए ।
- (xv) डीआरयूसीसी की बैठक नियमित रूप से होना चाहिए तथा उसकी कार्यवाही की प्रति चैम्बर को सीधा भेजा जाना चाहिए
- (xvi) गाड़ियों में खाने—पीने के चीजों का रेट चार्ट का बोर्ड लगाया जाना जिसमें कीमत के साथ—साथ वजन का उल्लेख हो ।
- (xvii) पटना से राँची सुपर फास्ट ट्रेन चलाया जाना चाहिए ।
- (xviii) संपूर्ण क्रांति एक आदर्श ट्रेन के रूप में प्रारम्भ हुआ था लेकिन आज उसकी स्थिति मगध एक्सप्रेस से भी बदतर हो चुकी है इस पर रेलवे की ओर से विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है ।
- (xix) राजेन्द्र नगर से गौहाटी कैपिटल एक्सप्रेस में Pantry Car की व्यवस्था होनी चाहिए
- (xx) पटना से छपरा चार जोड़ी DEMU चलाया जाना चाहिए ।

### **रेलवे के Emergency Quota के संबंध में**

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के सभी सदस्य उद्यमी एवं व्यवसायी हैं और उन्हें कई बार अपने व्यवसाय के सिलसिले में अचानक बाहर जाना नितान्त आवश्यक हो जाता है । अतः रेलवे के Emergency Quota के तहत आरक्षण के सम्बन्ध में बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के अनुरोध को प्राथमिकता दिया जाए ।

\*\*\*\*\*

**पटना**

**दिनांक 2 मई 2019**